

SHRI SWAPAN CHAUDHURI

Shri Swapan Chaudhuri is considered as one of the greatest living musicians and tabla virtuoso of his time. As a soloist and accompanist, Swapan's nuanced and lyrical ability to bring to life even the most complex and challenging compositions gives audiences a rare glimpse into the depth and majesty of tabla's vast repertoire.

2. Born on January 7, 1947, Shri Swapan has served as Department Chairperson / Senior Faculty of the World Music Program at the California Institute of the Arts. His unmatched dedication to teaching is an extension of the kind of intensive and dedicated teaching that was bestowed upon him by his own Guru, Acharya Santosh Krishna Biswas of the Lucknow Gharana (music school), from whom Swapan began learning with at the age of five in Kolkata, India.

3. Shri Swapan is cherished and honored in his homeland of India in 2011 and he was awarded National Lifetime Achievement Award, the Bharat Ke Sangeet Ratna by the Art & Cultural Trust of India for his lasting contributions to classical Indian music and tabla. He is a recipient of the prestigious Sangeet Natak Academy Award (1997) by the Government of India.

4. Shri Swapan is the recipient of the American Academy of Artists Award and a nominee to Percussive Arts Society Hall of Fame, distinctions reserved for only those musicians who have attained the highest level of artistry. ln 1981, Shri Swapan was invited to the United States by legendary sarodist Maestro Ali Akbar Khan to serve as Director of Percussion at the Ali Akbar College of Music in San Rafael, California where he continues to teach till today. Two records-Legacy (1997) and Passing on the Tradition (1998) were nominated for Grammy awards on which he collaborated with Asha Bhosle and Maestro Ali Akbar Khan.



श्री स्वपन चौधुरी

श्री स्वपन चौधुरी को अपने समय के सबसे महान संगीतकारों और तबलावादकों में जाना जाता है। एकल और संगतकार के रूप में, जटिलतम और चुनौतीपूर्ण रचनाओं को जीवन में उतार देने की आपकी सूक्ष्मभेदयुक्त और गीतात्मक क्षमता के कारण दर्शकों को तबले के बृहत रंगपटल की गहराई और गरिमा की दुर्लभ झलक से सराबोर कर देती है।

2. आपका जन्म 7 जनवरी, 1947 में हुआ था। आपने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स में विश्व संगीत कार्यक्रम के विभाग अध्यक्ष / वरिष्ठ फैकल्टी के रूप में कार्य किया है। शिक्षण के प्रति आपका बेजोड़ समर्पण आपकी गहन और समर्पित शिक्षण भावना का परिचायक है, जो आपके गुरु, आचार्य संतोष कृष्ण विश्वास,लखनऊ घराना(संगीत विद्यालय) से आपको प्राप्त हुआ,जिनसे आपने पांच साल की उम्र में कोलकाता, भारत में सीखना शुरू किया था।

3. शास्त्रीय भारतीय संगीत और तबले में आपके स्थायी योगदान के लिए वर्ष 2011 में आपको अपनी मातृभूमि भारत में प्रेम और सम्मान दिया गया और आपको कला और सांस्कृतिक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा भारत के संगीत रत्न, नेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। आपको भारत सरकार से प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1997) प्राप्त हुआ है।

4. आपने अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्टिस्ट अवार्ड प्राप्त किया है और आप परक्यूसिव आर्ट्स सोसाइटी हॉल ऑफ फ़ेम के लिए नामित हैं।यह प्रतिष्ठा केवल उन संगीतकारों को दी जाती है जिन्होंने कलात्मकता का उच्चतम स्तर प्राप्त किया है। वर्ष 1981में आपको संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रसिद्ध सरोद वादक अली अकबर खान द्वारा कैलिफ़ोर्निया के सैन राफेल में अली अकबर कॉलेज ऑफ़ म्यूज़िक में पर्क्यूशन के निदेशक के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया गया था, आप आज भी वहां पढ़ा रहे हैं। दो रिकॉर्ड, लेगसी (1997) और पासिंग ऑन द ट्रेडिशन (1998), जिसमें आपने आशा भोसले और संगीतज्ञ अली अकबर खान के साथ जुगलबंदी की थी,को ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया था।